**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**28.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1900 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों की समय की पाबंदी में सुधार**

**1900. श्री सी॰ एम॰ रमेशः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहलों के कारण रेलगाड़ियों की समय की पाबंदी

में सुधार हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने गाड़ियों के विलंब से चलने के संभावित कारणों का पता लगाया है, यदि

हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क): अप्रैल 2018 से नवम्बर 2018 तक की अवधि के लिए भारतीय रेल पर मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के समयपालन का निष्पादन 68.19% था।

(ख): गाड़ियां, न केवल अपने आंतरिक कारणों से देरी से चलती हैं, बल्कि ऐसे बाहरी कारणों से भी विलंब से चलती हैं, जो रेलवे के नियंत्रण से बाहर हैं। परिसंपत्ति विफलताओं के अलावा, बढ़ते हुए यात्री और माल यातायात के कारण लाइन क्षमता और टर्मिनल क्षमता की तंगी, प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों (कोहरा, बारिश, दरारें), बीच-बीच में प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात, भारी बारिश, भारतीय रेल नेटवर्क में समपार वाले फाटकों पर भारी सड़क यातायात, खंड के बीच मवेशियों और मनुष्यों के कुचले जाने के मामले आदि जैसे कारकों से भी भारतीय रेलों पर गाड़ियों का समयपालन प्रभावित होता है।

\*\*\*\*\*